भारत में UNESCO विश्व धरोहर स्थल

1. परिचय

- UNESCO का पूरा नाम United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization है (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन)।
- विश्व धरोहर अभिसमय (World Heritage Convention) वर्ष 1972 में अपनाया गया।
- विश्व धरोहर स्थल वे स्थान हैं जिनका असाधारण सार्वभौमिक महत्व (Outstanding Universal Value) है।
- ऐसे स्थलों को उनकी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक या प्राकृतिक महत्व के कारण संरक्षित रखा जाता है।
- भारत ने **14 नवंबर 1977** को विश्व धरोहर अभिसमय को स्वीकार किया।

2. भारत में UNESCO विश्व धरोहर स्थल

- भारत में वर्तमान में **45** UNESCO विश्व धरोहर संपत्तियाँ हैं (वैश्विक स्तर पर भारत का **6ठा स्थान** है)।
- इनमें **37** सांस्कृतिक संपत्तियाँ हैं।
- **7** प्राकृतिक संपत्तियाँ हैं।
- **1** मिश्रित संपत्ति है।

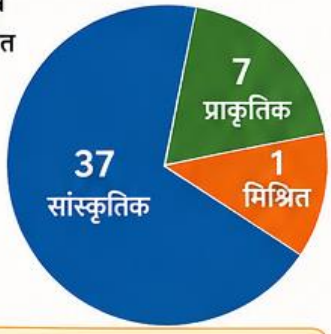

याद रखें:
45 = 37 सांस्कृतिक + 7 प्राकृतिक + 1 मिश्रित

3. प्रमुख सांस्कृतिक स्थल

क्र. सं.	स्थल	राज्य/स्थान	वर्ष	चित्र
1.	ताजमहल	उत्तर प्रदेश	1983	
2.	आगरा किला	उत्तर प्रदेश	1983	
3.	अजंता की गुफाएँ	महाराष्ट्र	1983	
4.	एलोरा की गुफाएँ	महाराष्ट्र	1983	
5.	सूर्य मंदिर, कोणार्क	ओडिशा	1984	
6.	कुतुब मीनार	दिल्ली	1993	
7.	महाबोधी मंदिर परिसर	बिहार	2002	
8.	नालंदा महाविहार	बिहार	2016	
9.	धोलावीरा	गुजरात	2021	
10.	शांतिनिकेतन	पश्चिम बंगाल	2023	
11.	मोइदाम	असम	2024	
12.	मराठा सैन्य परिदृश्य	भारत (महाराष्ट्र/तमिलनाडु)	2025	
13.	प्राचीन बौद्ध स्थल, सारनाथ	उत्तर प्रदेश	2026	

4. प्रमुख प्राकृतिक स्थल

- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान — असम
- मानस वन्यजीव अभयारण्य — असम
- केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान — राजस्थान
- सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान — पश्चिम बंगाल
- नंदा देवी और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान — उत्तराखंड
- ग्रेट हिमालयन नैशनल पार्क संरक्षण क्षेत्र — हिमाचल प्रदेश
- पश्चिमी घाट — विभिन्न राज्य (महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल)

5. मिश्रित विश्व धरोहर स्थल

खांगचेंदजोंगा राष्ट्रीय उद्यान (सिक्किम)

- इसे 2016 में विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
- इसका प्राकृतिक और सांस्कृतिक, दोनों प्रकार का महत्व है।
- यह भारत की एकमात्र मिश्रित विश्व धरोहर संपत्ति है।

6. प्रमुख सांस्कृतिक स्थल

- **ताजमहल:**
  आगरा (उत्तर प्रदेश) में स्थित।
  निर्माण शाहजहाँ ने मुमताज महल की याद में करवाया था।
  मुगल वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण।

- **अजंता की गुफाएँ:**
  महाराष्ट्र में स्थित।
  यह केवल बौद्ध चित्रकला (भित्ति चित्र) और मूर्तिकला के लिए प्रसिद्ध हैं।

- **एलोरा की गुफाएँ:**
  महाराष्ट्र में स्थित।
  इनमें बौद्ध, हिंदू और जैन तीनों धर्मों से संबंधित स्थापत्य मिलता है।

- **सूर्य मंदिर, कोणार्क:**
  ओडिशा में स्थित।
  सूर्य देव को समर्पित,
  इसकी वास्तुकला रथ के आकार के लिए प्रसिद्ध हैं।

7. बिहार के UNESCO विश्व धरोहर स्थल

बिहार में **2** UNESCO विश्व धरोहर संपत्तियों हैं:

1 महाबोधि मंदिर परिसर, बोधगया

- यह फल्गु (निरंजना) नदी के तट पर स्थित है।
- मूल मंदिर का निर्माण सम्राट अशोक ने करवाया था।
- इसे **2002** में सूची में शामिल किया गया।
- यहाँ भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।

2 नालंदा महाविहार का पुरातात्विक स्थल

- इसकी स्थापना गुप्त वंश के शासक कुमारगुप्त प्रथम ने की थी।
  (बाद में इसे बख्तियार खिलजी ने नष्ट कर दिया था)।
- इसे **2016** में सूची में शामिल किया गया।
- यह प्राचीन शिक्षा केंद्र के अवशेषों से संबंधित है।

Tentative List:
राजगीर की साइक्लोपियन दीवार (Cyclopean Wall), सासाराम में शेरशाह सूरी का मकबरा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय वर्तमान में UNESCO की 'संभावित सूची' में शामिल बिहार के प्रमुख स्थल हैं।

8. हाल के UNESCO स्थल (अति महत्वपूर्ण)

1 मोइदाम
(अहोम राजवंश की टीला-दफन प्रणाली)
— असम: **2024**

2 मराठा सैन्य परिदृश्य
(12 किलों का नेटवर्क)
— भारत: **2025**

3 प्राचीन बौद्ध स्थल, सारनाथ
(बुद्ध का प्रथम उपदेश स्थल)
— उत्तर प्रदेश: **2026**

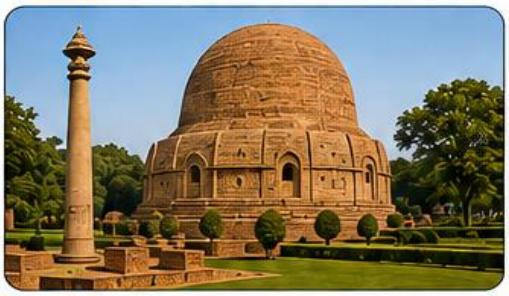

9. विश्व धरोहर स्थलों का महत्व

- ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहायता।
- महत्वपूर्ण प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र और जैव-विविधता की रक्षा।
- सतत पर्यटन (Sustainable Tourism) को प्रोत्साहन।